www.vidarbhswabhiman.com

विदर्भ स्वाभिमान

संपादक - सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे

9423426199/8855019189

❖ अमरावती, 12 से 18 जून 2025 ❖वर्ष :16 ❖ अंक- 03 ❖ पृष्ठ 8 ❖ मूल्य - 4/- पोस्टल रजि.नं ATI/RNP/268/2025-2027 ❖डाक : शुक्रवार-शनिवार

भीषण गर्मी से बारिश ने दिलाई निजात

मौसम की आंखमिचौली, बारिश से कई पेड़गिरे, बिजली तार टूटे, भारी नुकसान

विदर्भ स्वाभिमान,11 जून

अमरावती/नई दिल्ली-मौसम में आंखमिचौली के खेल के साथ ही आगामी दो-तीन दिनों में बारिश की शुरूवात होने की संभावना जताई जा रही है. बुधवार को जिले के अचलपुर, परतवाड़ा, अंजनगांव सुजी, दर्यापुर तथा अन्य स्थानों पर बारिश तथा तूफान ने भारी नुकसान पहुंचाया है. दर्यापुर में कई पेड़ जहां गिर गये, वहीं दूसरी ओर चंदीगढ़ तथा शिमला का मौसम भी अस्तव्यस्त हुआ है. कुछ दिनों से सता रही गर्मी का आलम अब ये है कि चंडीगढ़ के लोगों को रातों में भी इतनी गर्मी सहनी पड़ रही है, जितनी शिमला के लोगों को दिन में भी नहीं झेलनी पड़ रही है. मंगलवार रात शहर का न्यूनतम तापमान 31.7 डिग्री से नीचे नहीं गया जबकि शिमला शहर का दिन का अधितम तापमान 28.5 डिग्री रहा. अमरावती में पिछले चार दिनों से जबर्दस्त गर्मी के बाद बुधवार को जिले में कुछ स्थानों पर हुई बारिश ने लोगों को राहत पहुंचाई लेकिन पश्चात बुधवार को हुई बारिश के बाद रात में जमकर उमस ने लोगों को त्रस्त कर दिया. हालांकि दिन भर चली हवाओं ने 42 डिग्री तक पहुंचे तापमान ने पसीना-पसीना किया.बारिश तथा तेज तूफानी हवाओं के कारण अचलपुर में जहां कई पेड़ गिर गए, वहीं पोल झुकने के कारण तार टूटकर कई क्षेत्रों की बिजली आपूर्ति प्रभावित हुई. तहसील के पथ्रोट में केले,संतरे तथा पपीते की फसल को भारी नुकसान होने से किसान फिर एक बार मुसीबत में आ गए हैं. मौसम की आंखमिचौली जारी है. 15 जून से मान्सून की बारिश की संभावना जताई जा रही है.

शेष पेज 2 पर

बाबूजी के आदर्श विचार

खुशियों के कुछ टिप्स

जीवन में कई लोग धन को मन और मानवता से अधिक महत्व देते हैं. पूरा जीवन धन कमाने में जाता है. लेकिन असली खुशी ऐसी कपटी,स्वार्थी लोगों के नसीब में कभी नहीं होते हैं. समाज में यह दानी बने घूमते हैं, ऐसे लोगों से सतर्क रहना चाहिए. उनका कर्म ही उन्हें बड़ा दंड देता है.

समाजसेवी,भाजपा अंबापेठ मंडल के पदाधिकारी,यारों के यार अविनाश सोनटक्के को विदर्भ स्वाभिमान परिवार की मंगलमय हार्दिक शुभकामनाएं.

धर्म, मानवता और संस्कारों को बढ़ावा देने वाला, पूरी तरह से सकारात्मक खबरों को प्राथमिकता देने वाला देश का एकमात्र हिंदी साप्ताहिक अखबार

कथाकार मोरारी बापू की धर्मपत्नी नर्मदाबेन,मोदी ने जताया शोक

नई दिल्ली- प्रसिद्ध रामकथाकार और आध्यात्मिक गुरु मोरारी बापू की धर्मपत्नी नर्मदाबेन का बुधवार, 11 जून 2025 को गुजरात के भावनगर जिले के तलगाजरडा गांव में निधन हो गया. वह 75 वर्ष की थीं और लंबे समय से अस्वस्थ चल रही थीं. नर्मदाबेन ने तड़के अपने आवास पर अंतिम सांस ली. उनके निधन से तलगाजरडा गांव में शोक की लहर दौड़ गई और गांव बंद रहा. सनातन धर्म के प्रचार-प्रचार के लिए पूरी तरह से समर्पित गुरू मोरारी बापू की पत्नी के देहांत से उन्हें चाहने वाले लाखों भक्तों में भी शोक व्याप्त है.

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मोरारी बापू से फोन पर बात कर उन्हें सांत्वना दी और इस दुखद घड़ी में अपनी

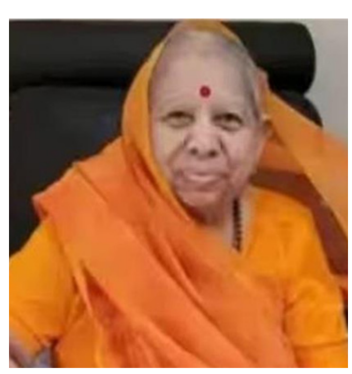

संवेदनाएं व्यक्त कीं. मोरारी बापू भारतीय संस्कृति और धार्मिक कथा-वाचन के क्षेत्र में एक प्रमुख हस्ती माने जाते हैं और इस दुखद क्षण में देशभर से उनके अनुयायी शोक व्यक्त कर रहे हैं. पिछले कई महीने से नर्मदाबेन का स्वास्थ्य ठीक नहीं रहने से वह अस्पताल में भर्ती थी. देशभर में शोक संवेदनाएं व्यक्त की जा रही.

श्री वेंकटाचल की महिमा

कलयुग के देवता भगवान व्यंकटेश्वर बालाजी के करोड़ों भक्त विश्वभर में फैले हैं. पिछले 25 साल से उनकी भक्ति से क्या-क्या अनुभव किया है, इसको ध्यान में रखते हुए अनाथों के नाथ, निराधारों के आधार तिरूपति निवासा भगवान व्यंकटेश्वर की कथा की 22वीं किश्त पेज 4 पर अवश्य पढ़ें. जय गोविंदा,जय

विदर्भ स्वाभिमान

संपादकीय

क़ामयाबियों का भारत के लिए है यह साल

भारत विभिन्न क्षेत्रों में सफलता हासिल कर रहा है. इसी सफलता के साथ भारत के इतिहास के साथ 11 जून का दिन ऐतिहासिक साबित हो गया है. जब लगभग 41 साल के बाद अंतरिक्ष में भारत गगन यात्री सुभांशु की उड़ान होने हुई. यह पूरे देशवासियों के लिए गर्व का पल था. अंतरिक्ष के साथ ही एआई के क्षेत्र में भी भारत की शानदार कामयाबी किसी को भी प्रभावित कर सकती है. इस साल देश हर क्षेत्र में जहां प्रगति का इतिहास बना रहा है, वहीं पड़ोसी और कभी नहीं सुधरने वाले पाकिस्तान के शह पर आतंक मचाने वाले आतंकवादियों की जिस तरह से सिंदूर ऑपरेशन के माध्यम से कमर तोड़ दी, वह भी किसी उपलब्धि से कम नहीं है. लेकिन हैरत इस बात की होती है कई नेताओं के लिए पहले देश या फिर पहले राजनीतिक स्वार्थ यह बात समझ नहीं आती है. ऑपरेशन को लेकर जो लोग सवाल उठाते हैं, उन्हें क्या सेना को कार्रवाई करते समय अपने साथ रखना चाहिए, ऐसा सवाल प्रबुद्ध लोगों द्वारा पैदा किया जा रहा है. रक्षा के क्षेत्र में जहां भारत तेजी से प्रगति कर रहा है वहीं दूसरी ओर आज विश्व महा शक्तियों की कतार में तेजी से भारत का बढ़ना निश्चित तौर पर हर भारतीय के लिए गर्व का विषय है.

भारत के लिए 11 जून का दिन ऐतिहासिक बनने जा रहा है.भारतीय अंतरिक्ष यात्री ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला बुधवार शाम 5:30 बजे अंतरराष्ट्रीय स्पेस स्टेशन (आईएसएस) के लिए रवाना हुए.1984 में राकेश शर्मा भारत के पहले अंतरिक्ष यात्री बने थे. उनके 41 साल बाद शुभांशु अंतरिक्ष जा रहे हैं.आईएसएस जाने वाले वह पहले भारतीय होंगे. निजी स्पेस कंपनी एग्जीओम का मिशन फ्लोरिडा में नासा के कैनेडी स्पेस सेंटर से लॉन्च होगा.पहले यह मिशन 10 जून को जाना था. इसरो चेयरमैन वी नारायणन ने बताया कि मौसम खराब होने के कारण लॉन्चिंग एक दिन टालनी पड़ी.एक वीडियो संदेश में शुभांशु ने कहा, 'मैं विंग कमांडर राकेश शर्मा के बारे में पढ़ते हुए बड़ा हुआ हूं. मैं उनसे गहराई से प्रभावित हुआ था. वहीं, राकेश शर्मा ने एक संदेश में कहा, 'शुभांशु को शुभकामनाएं.खुश रहो, सुरक्षित लौटो. अंतरिक्ष से लौटकर इंसान पहले जैसा नहीं रहता.ये अनुभव आपकी सोच को बदलता है.एग्जीओम-4 अनूठा अंतरिक्ष वैज्ञानिक दृष्टि से यह भारत के इतिहास के लिए सबसे बड़ी उपलब्धि मानी जाएगी. सभी भारतीयों के लिए भी यह गर्व का विषय होगा. भारत के हथियारों की मांग जहां विश्व स्तर पर हो रही है वहीं दूसरी ओर पाकिस्तान के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत की सैनिक की शक्ति का लोहा आसपास के देश भी ले रहे हैं. भारतीयों के लिए यह उपलब्धियां किसी गर्व से कम नहीं हैं. आज भारत हर क्षेत्र में आगे बढ़ रहा है.बीसीजी के मुताबिक भारत का बाजार 2027 तक तीन गुना बढ़ जाएगा. वहीं दूसरी ओर मार्च के बाद बाजार में 21 फीसदी की वृद्धि हुई है. सामाजिक सुरक्षा में भी दस साल में जबर्दस्त वृद्धि हुई है. भारत की आर्थिकस्थिति भी तेजी से मजबूत होने के साथ ही वर्ष 2025 भारत के लिए हर दृष्टि से बेहतरीन तरक्की वाला रहा. देश में एकता के साथ सभी का प्रयास जल्द ही भारत को निश्चित तौर पर महाशक्ति बना सकती है.

मिलकर लड़ना महायुति को फायदेमंद

विदर्भ स्वाभिमान

www.vidrabhswabhiman.com 9423426199

महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव के बाद बेसब्री से स्थानीय निकायों के चुनाव की घोषणा की प्रतीक्षा थी. अदालत से हरी झंडी मिलने के बाद राज्य में चुनाव की तैयारी शुरू हो गई है. महायुति द्वारा एक-दूसरे को समर्पित होकर साथ देने से ही लाभ मिल सकता है.मुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़णवीस इसके महत्व को समझते हैं और यही कारण है उनका मानना है कि राज्य में महायुति स्थानीय चुनाव मिलकर लड़े. इसका लाभ सभी को होगा, वर्ना झटका लगने से इंकार नहीं किया जा सकता है. देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि भाजपा नीत महायुति गठबंधन राज्य में आगामी स्थानीय निकाय चुनाव मिलकर लड़ेगा, लेकिन जहां गठबंधन नहीं हो पाया वहां दोस्ताना मुकाबला होगा.बीएमसी सहित विभिन्न नगर निगमों और अन्य स्थानीय निकायों के चुनाव पिछले तीन वर्षों से लंबित हैं.फडणवीस ने कहा कि भाजपा की राज्य इकाई के अध्यक्ष, कार्यकारी अध्यक्ष और पार्टी की चुनाव समिति स्थानीय निकाय चुनावों से संबंधित निर्णय लेने के लिए अधिकृत है.अमरावती में जिस तरह से विपक्ष में अभी से दरार दिखाई दे रही है और एक-दूसरे के कपड़े फाड़ने का काम शुरू हो गया है, उससे निश्चित तौर पर महायुति में यह स्थिति पैदा होती है तो गहरा झटका लग सकता है. गठबंधन के रूप में चुनाव लड़ने का निर्णय लिया है. जहां भी गठबंधन कारगर नहीं होगा, वहां दोस्ताना मुकाबला होगा. अजीत पवार के नेतृत्व वाली राकांपा और एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना गठबंधन की दो अन्य पार्टियां हैं.महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने रविवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी के चुनाव आयोग के खिलाफ बेबुनियाद आरोप लगाने पर कहा कि कांग्रेस सांसद राहुल गांधी, 2024 के महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों में हार पर आत्ममंथन करने के बजाय, जनता के खारिज किए गए जनादेश को अस्वीकार कर रहे हैं.फडणवीस ने राहुल पर देश की भावना को लगातार गलत समझने और दोषारोपण करने का आरोप लगाया. उन्होंने बार-बार गलती दोहराने का आरोप लगाते हुए कहा कि ताउम्र राहुल गांधी, आप यही गलती करते रहे, धूल चेहरे पर थी और आप आईना साफ करते रहे.राहुल गांधी के आरोपों के जवाब में फडणवीस ने अपने लेख में कहा कि कांग्रेस नेता लगातार लोकतांत्रिक प्रक्रिया और लोगों के जनादेश का अपमान कर रहे हैं. लोगों ने राहुल गांधी को खारिज कर दिया है और प्रतिशोध में वह लोगों और उनके जनादेश को खारिज कर रहे हैं. एक बार हार को स्वीकार करना और यह आत्ममंथन करना चाहिए कि आप कहां गलत हो रहे हैं, कहां लोगों से आपका संबंध कमजोर है, और इसके बारे में आपको क्या करना चाहिए, यह अधिक समझदारी होगी. स्थानीय निकाय चुनाव सत्तापक्ष और विपक्ष दोनों के लिए अग्नि परीक्षा साबित होने वाले हैं.

इस सप्ताह से मान्सून की बारिश होगी तेज

पेज 1 से जारी-को थामकर 41.7 से आगे नहीं बढ़ने दिया. फिर भी पूरा दिन शहर उसम भरी गर्मी से बेहाल रहा.

मौसम विभाग ने संकेत दिया है कि शनिवार के बाद तपिश भरी गर्मी से राहत मिल सकती है. हिमाचल के कुछ हिस्सों में 13 जून से बारिश हो सकती है. उसके बाद बनने वाली उसम यानी नमी हवाओं के साथ ऐसा सिस्टम तैयार करेगी, जो चंडीगढ़ और आसपास बारिश ला सकती है.जिले में बुधवार को हुई बारिश के कारण भारी नुकसान हुआ. कई किसानों के घरों की टीन उड़ जाने के कारण घर में रखी प्याज गीली होकर किसानों को भारी नुकसान जहां हुआ, वहीं दूसरी ओर महावितरण के बिजली तार और कई पोल झुकने के कारण महावितरण को भारी नुकसान हुआ. कुल मिलाकर बुधवार को बारिश के मामूली झटके ने ही प्रशासन की पोल खोल दी. दर्यापुर के साईं नगर में जलनिवासी की समुचित व्यवस्था नहीं होने के कारण गंदा पानी एक स्थान पर जमा होकर लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा. इसके साथ ही जिले में दर्यापुर, अंजनगांव सुर्जी , पथ्रोट, अचलपुर, परतवाड़ा के साथ ही धारणी में भी तेज आंधी और बारिश के कारण भारी नुकसान होने की जानकारी मिली है. मौसम विशेषज्ञ प्रा. अनिल बंड के मुताबिक दो-तीन दिनों में मौसम की बारिश शुरू हो जाएगी. बारिश अच्छी होने के संकेत हैं.

हनुमान चालीसा कैसे कर रही दिल और दिमाग को मजबूत?

हनुमान चालीसा में लगभग 40 छंद हैं, जिनमें से अधिकतर अनुष्टुप छंद में रचे गए हैं, यानी लयबद्ध, रिपिटेटिव और मेडिटेटिव। ये छंद बीटा वेव से अल्फा वेव तक ब्रेन फ्रीक्वेंसी शिफ्ट करते हैं जो एकाग्रता और शांति की अनुभूति देते हैं।

'रामदूत अतुलित बलधामा...' जैसे मंत्र जब नियमित जपते हैं तो इनका ध्वनि कंपन शरीर में कोर्टिसोल (स्ट्रेस हार्मोन) कम करता और सेरोटोनिन-डोपामीन बढ़ाता है। इससे शांति तंत्र पैरासिम्पैथेटिक सिस्टम सक्रिय होता है। जर्नल ऑफ अल्टरनेटिव मेडिसिन के अध्ययन अनुसार मंत्रोच्चार से स्ट्रेस कम होता है और सकारात्मक ऊर्जा बढ़ती है। नाड़ी दर में कमी से स्ट्रोक और हृदय रोग का खतरा घटता है।

18-22 वर्ष के 20 एमबीबीएस छात्रों को 10 मिनट तक हनुमान चालीसा संगीत सुनाया। उनके रक्तचाप में कमी देखी गई। (जर्नल ऑफ इवोल्यूशन ऑफ मेडिकल एंड डेंटल साइंसेज में नीरा गोयल और उनके सहयोगियों का शोध)

रोज 10 मिनट हनुमान चालीसा का पाठ हार्ट रेट कम करने, ब्लड प्रेशर कंट्रोल करने, नींद में सुधार, पोस्ट ट्रॉमेटिक स्ट्रेस डिसऑर्डर, एंजायटी से राहत में भी मददगार। (आइसीएमआर और एम्स रिसर्च)

विदर्भ स्वाभिमान

यह समाचार पत्र मालिक, प्रकाशक,संपादक सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे द्वारा एस.बी.प्रिंटर्स द्वारा दत्त पैलेस गांधी चौक अमरावती में मुद्रित कर विदर्भ स्वाभिमान कार्यालय,छाया कॉलोनी,अकोली रोड,अमरावती में प्रकाशित किया गया है.मोबाइल नंबर 9423426199/8855019189.अखबार में प्रकाशित होने वाले विभिन्न पत्र,साहित्य,लेखकों,कवियों के विचारों व तथ्यों पर आधारित होते हैं. इनसे संपादक की सहमति अनिवार्य नहीं है.संपादक सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे (संपादकीय दायित्व हेतु जिम्मेदार), मुख्य प्रबंधक- सौ.वीणा सुभाषचंद्र दुबे.Email-vidarbhäswabhiman@gmail.com.www.vidrabhswabhiman.com

ज़न्मदिन पर सत्कार,आत्मीयता के लिए आभार

अमरावती-जीवन में मैं सौभाग्यशाली स्वयं को मानता हूं क्योकि अनमोल मार्गदर्शक और मित्रों का खजाना मेरे पास है. 10 जून को जन्मदिन रहने पर जहां आनंद परिवार के प्रमुख समाजसेवी सुदर्शन गांग,प्रदीपभैया जैन,गोविंदाजी तथा परिवार ने आनंद एजें सीज में सत्कार किया, वहीं हमारे अजीज मित्र डॉ. अजय बोंडे, प्राचार्य संजय शिरभाते, श्री केशरीनंदन बहुउद्देशीय संस्था के अध्यक्ष मनोज चोरे के नेतृत्व में पार्वतीनगर में संस्था द्वारा आयोजित और अभूतपूर्व सफल रही शिवम बापू की शिव महापुराण कथा समिति ने विदर्भ स्वाभिमान मुख्यालय पहुंचकर बुधवार की रात्रि में सत्कार किया. सत्कार एक औपचारिकता होती है लेकिन इस माध्यम से अपनों का अपनापन सदैव अच्छा करने की प्रेरणा देता है. आप सभी का विदर्भ स्वाभिमान तथा सुभाष दुबे परिवार सदैव आभारी रहेगा, आपका प्रेम ही जीवन में सनातन धर्म को बढ़ावा देने के साथ ही मानवता की सेवा करने की प्रेरणा देगा. इस मौके के अनमोल पल, जिसमें सभी मित्र नरेश इसासरे, मोहन गुर्जर, भास्कर खराबे, आशीष कपले सहित अन्य मान्यवर उपस्थित थे.

कोरोना का लखनऊ में बढ़ा खतरा, सतर्कता जरूरी

लखनऊ/अमरावती-अमरावती के साथ ही देश के कुछ हिस्सों में कोरोना का खतरा बढ़ा है. यद्यपि चिंता वाली बात नहीं है. लेकिनि सावधानी बरतने का आग्रह स्वास्थ्य प्रशासन द्वारा किया गया है. अमरावती में कोरोना के तीन मरीज एक वारकरी और जिला अस्पताल की दो नर्स मिली हैं, उसी तरह लखनऊ में भी कोरोना के 8 मरीज मिले हैं.

उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में कोरोना संक्रमण एक बार फिर से फैलने लगा है. बीते कुछ दिनों में संक्रमित मरीजों की संख्या तेजी से बढ़ रही है. बुधवार को लखनऊ में कोरोना के 8 नए केस मिले हैं, जिनमें डॉक्टर और एमबीबीएस छात्र भी शामिल हैं. इसके बाद से लोगों में

अमरावती में भी मिले 3 मरीज

चिंता बढ़ने लगी है-स्वास्थ्य विभाग की रिपोर्ट के मुताबिक, लखनऊ में जिन 8 लोगों की रिपोर्ट पॉजिटिव आई है, उनमें 5 पुरुष और 3 महिलाएं शामिल हैं. संक्रमित मरीज लखनऊ के अलग-अलग इलाकों से हैं: रक्षा खंड, उद्यान: 33 साल की महिला, चौक और महानगर: 30-30 साल की महिलाएं, केशव विहार, कल्याणपुर: 42 साल का पुरुष, इंदिरा नगर: 61 साल का पुरुष, शारदा नगर: 66 साल का पुरुष, सरोजनीनगर: 35 साल का पुरुष, चौक: 29 साल का युवक है.किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी (ख़्क्रछ) से भी संक्रमण की खबर आई है. एक रेजिडेंट डॉक्टर, जिन्हें पिछले हफ्ते बुखार, खांसी और बदन दर्द की शिकायत थी, कोविड पॉजिटिव पाए गए हैं. साथ ही, तीसरे वर्ष का एमबीबीएस छात्र भी संक्रमित मिला है, जो फिलहाल हॉस्टल में आइसोलेशन में है. संक्रमित डॉक्टर इलाज के लिए लखीमपुर खीरी स्थित अपने घर चले गए हैं.चिंता की बात नहीं लेकिन स्वास्थ्य विभाग ने सभी नागरिकों से सतर्कता बरतने का आग्रह किया है.

विदर्भ स्वाभिमान

RNI NO. MAHHIN/2010/43881

संपादक : सुभाषचंद्र दुबे प्रबंधक : सौ. विणा एस. दुबे

जाहीर सुचना	10x2	500
जाहीर सुचना	15x2	1000
बच्चों का जन्मदिन	10x2	500
शादी की वर्षगांठ	10x2	500
नाम में बदल	10x2	500
गुमशुदा	10x2	400
श्रध्दांजलि	10x2	500
पुण्यस्मरण	15x2	1000

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें
विदर्भ स्वाभिमान, छाया कॉलोनी, अमरावती
मो. 9423426199/ 8855019189

विभीषण को प्रभु ने बनाया लंकाधिपती

विदर्भ स्वाभिमान तथा आनंद परिवार की भक्तिमय सेवा

किश्त-21, विश्वास वाले भक्तों को हर पल होता है अनुभव

कहते हैं कि श्रद्धा से विश्वास और विश्वास से असंभव भी संभव हो जाता है. कलयुग के देवता भगवान व्यंकटेश्वर बालाजी के करोड़ों भक्त विश्वभर में फैले हैं. पिछले 25 साल से उनकी भक्ति से क्या-क्या अनुभव किया है, इसको ध्यान में रखते हुए अनाथों के नाथ, निराधारों के आधार तिरूपति निवासा भगवान व्यंकटेश्वर की कथा यहां प्रस्तुत कर रहे हैं. हर गुरूवार को विदर्भ स्वाभिमान तथा आनंद परिवार की यह भक्तिमय सेवा प्रभु चरणों में अर्पित है. निर्मल मन से प्रभु गोविंदा की भक्ति करने पर इसका अनुभव आप भी कर सकते हैं.तिरूमल तिरूपति देवस्थानम तिरूपति द्वारा प्रकाशित मातृश्री तरिगोंड वेंगमांबा की श्री वेंकटाचल की महिला से साभार लिया जा रहा है.जय गोविंदा,जय गोविंदा, जय गोविंदा.डिजिटल संस्करण

www.vidarbhswabhiman.com/9423426199

गतांक से जारी -रामचंद्र की रम्योक्ति-देवर्षी राजा, नदीमूल आदि के बारे में परीक्षा के बिना नहीं बताना चाहिए.अत्यंत महिमावान रमाधीश यहाँ विचरम करते रहने को गलत नहीं कहना चाहिए. हरिगिरी की महिमाएँ सिर्फ हरि ही जानते हैं. यह देवताओं को भी नहीं मालूम है. वेंकटाचल पर और भी अनेक महिमाएँ हैं.आपको इस रूप में परीक्षा नहीं करनी चाहिए. हरि सचमुच ही आपको दिखाई दिया तो इसमें क्या बुरा है. हरि को देखकर आपके जीवन धन्य हो गए. ऐसा कपि वीरों से राम कह कर वहाँ से निकल गए. अगले दिन सारे पर्वत से उतरकर कपि वीरों के साथ राम आगे बढ़े. सागर पर सेतु बांध कर अपनी कीर्ति की स्थापना की . कपि वीरों के साथ और भाई की स्तुति करने से लंका पहुँच कर युध्द किया. विपुल बल से रावण को युध्द में हरा दिया.कुंभकर्ण को हराकर और रावण को युध्द के लिए ललकार कर उसका वध किया . राघव ने इस रूप में युध्द में विजय प्राप्त की यह देखकर देवतागण ने राम की स्तुति की. सीता की वहाँ परीक्षा करके राम ने सीता को ग्रहण किया. विभीषण की भक्ति से संतुष्ट होकर उसे लंकाधिपति बनाया. बाद में लक्ष्मी सीता समेत पुष्पक विमान पर चढ़कर सुंदर साकेतपुर पहुँचे. वहाँ भरत शत्रुघ्न की भक्ति से कीर्तन करने पर सिंहासन ग्रहण किया.सारी प्रजा को अत्यंत करुणा दृष्टि से देख कर पालन किया. सूत ने शौनकादियों को इस रूप में बताया.तब उन्होंने पूछा- वानरों ने गुफा में जिसे देखा वह दिव्य पुरुष कौन है बताइए. उन्होंने जिज्ञासा प्रकट की. तब सूत ने उनसे इस रूप में बताया . वेंकुठ से विरक्त होकर वैकुंठ छोड़ कर शेषगिरि पर विचरण करनेवाले नारायण ने ही उस गुफा के अंदर वानरों को दर्शन दिए.उन्हें अपने निज रूप के दर्शन दिए. वानरों के लिए यह अभ्दुत अवसर था. वानरों के व्दारा भूलोकवासी मनुष्यों को भी उस नारायण के बारे में पता चला. इस प्रकार पहाड़ की गुफा में हरि ने वानरों को वैकुंठ दिखाया था.इसलिए उसका नाम वैकुंठ गुफा के रूप में आगे वह प्रसिध्द हो गया. उसमें मुक्तिकामी सन्यासी सन्यासी ,देवताओं की पूजा करने से स्वामी श्रीदेवी और भूदेवी समेत बसे.इस रूप में वह पर्वत वैकुंठाद्रि के रूप में जगत्प्रसिध्द बन गया.ऐसे वैकुंठाद्रि के बारे में सुनने वालों को भी कलि का दोष नहीं लगेगा.ऐसे लोग पुत्र पौत्राभिवृध्दि पाकर महा ऐश्वर्य संपदाओं से संपन्न बनकर मोक्ष को प्राप्त कर लेंगे .सूत की इन बातों को सुनकर शौनकादि मुनियों ने सूत की तरफ देखकर इस रूप में कहा.

आश्वांत-हे पंकज लोचन दानव भयंकर सुगुणाभिराम यव्याधामा शंकर मित्र शुभाकर वेंकटगिरि रमण मौनि विनुत वितरण कलश जलाधिवाला कांत श्रृंगार लीला सललित गणजाला साम सनलोल खलदनुज विफाल कालकर्मादि मूला विलासित गुणशीला हे वेंकचाद्रि पालक-इसमें तरिगोंड लक्ष्मी नरसिंहा के करूणा -कटाक्ष से बना विचित्र काव्य वशिष्ठ गोत्र कृष्णयामात्य की पुत्री वेंगमांबा प्रणीत श्री वेंकटाचल माहात्म्य नामक वराहपुराण का अंश वेंकटगिरि पूर का वर्णन है.नैमिशारण्य का वर्णन शौनकादि महामुनियों के प्रश्न ब्रह्न का दिन और प्रलय प्रकार हरि के श्र्वेत वराह के रूप में अवतरित होकर हिरण्याक्ष का संहार करके पाताल में डूबे धरती कोयथा स्थान पर लाकर खड़ा करना श्वेतवराह स्वामी का श्रीदेवी और भूदेवी समेत वेंकटाचल पर बसना गरूड के व्दारा वैकुंठ क्रीड़ाचल को लाकर धरती पर स्थापित करना वराह स्वामी का उस पर्वत पर चढ़ कर बसना ब्रह्य इंद्रदि देवतागण वहाँ पहुँचकर स्वामी की स्तुति करके विनतियाँ सुनाना वराह स्वामी शेषाद्रि पर विहार करना पुष्करिणी का माहात्म्य वेंकटाद्रि को एक-एक निमित से अलग -अलग-अलग नाम प्राप्त होना वराह स्वामी क्रीड़ाचल के उत्तर भाग में बसना वहाँ से यज्ञ करनेवाले मुनियों को देखना स्वयं और लक्ष्मी के वेश बदलकर यज्ञशाला में प्रवेश करना हरि के व्दारा वप का ग्रहण करना देशांतर यात्रा करनेवाले वृध्द ब्राहण से हरि के व्दारा कुमार धारा में स्नान करवाकर उसे बाल कुमार बनाकर भेजना शंखण महाराज को पुष्करिणी में हरि के दर्शम देकर उसे राज्याभिषिक्त करवाना आत्माराम नामक भक्त को हरि प्रत्यक्ष होकर उसके दारिद्रय को मिटा कर संपदाएँ प्रदान करना कपिल लिंग , कपिलतीर्थोभ्दव उस कपिल तीर्थ के ऊपर सप्तादश तीर्थो का प्रभाव तीर्थ यात्रा पर निकले ब्राह्मण को सपने में दिखाई देकर पुष्कराद्रि में अनेक तीर्थों के दर्शन करवाना युधिष्टिरादि एक वर्ष के लिए वेंकटाद्रि के पुण्य तीर्थो के लिए वेंकटाद्रि के पुण्य तीर्थों के आश्रय में रहना युगभेद से वेंकटाद्रि के प्रकाशित विविध चिह्न रावण संहार करने जानेवाले श्री राम के व्दारा एक दिन वेंकटाद्रि के पर निवास करना वेकुंठ गुफा में कपिवीरों को परस पुरूष के दर्शन होना आदि अनेक कथा- प्रसंगो का यह प्रथम आश्र्वास है.

शेष आगे के अंक में

विश्वास,तत्पर सेवा,ग्राहकहित है खूबी, जिला परिषद शिक्षक सहकारी बैंक ने जीता ग्राहकों का सदैव दिल

अध्यक्ष गोकुलदास राऊत का कुशल नेतृत्व बैंक को पहुंचा रहा बुलंदी पर

महाप्रबंधक राजेश देशमुख की तत्परता,सेवाभाव से ग्राहक खुश

अमरावती- जिले में शिक्षकों की सहकारी बैंक जिला परिषद शिक्षक सहकारी बैंक जहां आर्थिक रूप से मजबूत है, वहीं दूसरी ओर बैंक की पारदर्शी कार्यप्रणाली के साथ ही जिले ही नहीं तो समूचे विदर्भ में इसे सम्मान की दृष्टि से देखा जाता है.बैंक ने सदैव अपने ग्राहकों का विश्वास जीतने में कामयाबी प्राप्त की है. बैंक के अध्यक्ष गोकुलदास राउत के कुशल नेतृत्व में बैंक लगातार प्रगति और ग्राहकों का विश्वास जीतने में सफल रही है. महाप्रबंधक राजेश देशमुख की विनम्रता तथा ग्राहकों की समस्यओं के निराकरण की शैली की भी सराहना ग्राहक करते हैं. आज सभी के सहयोग से ही अध्यक्ष तथा संचालक मंडल के प्रयासों से बैंक लगातार कई पुरस्कार हासिल कर चुकी है. ग्राहकों को तत्पर सेवा देने वाली बैंक के रूप में इसकी ख्याति है.

बैंक के अध्यक्ष और संचालक मंडल के मार्गदर्शन में बैंक द्वारा जिला परिषद शिक्षकों के कल्याण के लिए विभिन्न योजनाओं का संचालन करने के कारण इसकी लोकप्रियता तेजी से बढ़ रही है. शिक्षकों के साथ ही शेअर होल्डरों का विश्वास ही सबसे बड़ी ताकत होने की बात बैंक के महाप्रबंधक राजेश देशमुख ने कही. उनके मुताबिक सहकारिता के माध्यम से रोजगार को बढ़ावा देने का व्यापक स्कोप है. पश्चिम महाराष्ट्र की प्रगति में सहकार से कल्याण वाली भूमिका काफी मायने रखती है. बैंक के अध्यक्ष के साथ संचालक मंडल की दूरदृष्टि और बैंक की प्रगति के लिए लगातार किए जाने वाले प्रयासों और इसके साथ ही बैंक के अधिकारियों और कर्मचारियों का समर्पण भाव और बैंक की प्रगति में योगदान देने वाली सोच के कारण ही इस बैंक ने अपार सफलता प्राप्त की है. बैंक के हर सदस्य द्वारा बैंक की प्रगति में योगदान देने का प्रयास ही बैंक की शानदार कामयाबी का कारण रहने की बात कही.

सहकारिता क्षेत्र की विश्वसनीय और सभी को साथ में लेकर चलने वाली और ग्राहकों का विश्वास जीतने वाली बैंक के रूप में जिला परिषद शिक्षक सहकारी बैंक की ख्याति है. संचालक मंडल के कुशल मार्गदर्शन में बैंक द्वारा लगातार ग्राहकों का विश्वास जीतने में कामयाबी मिल रही है. संस्था में समर्पित पदाधिकारी और कर्मचारी रहने के बाद संस्था प्रगति करती है.बैंक के संचालक तथा पदाधिकारियों के कुशल मार्गदर्शन और ग्राहकों के विश्वास के कारण बैंक ने कई कामयाबी प्राप्त की है. विदर्भ स्वाभिमान से बातचीत करते हुए सहकारिता क्षेत्र में गहन अभ्यासक और सभी को साथ लेकर और सम्मान देकर काम करने में विश्वास रखने वाले राजेश देशमुख ने कहा कि बैंक अध्यक्ष, संचालक मंडल के समर्पण के कारण ही बैंक ने यह कामयाबी हासिल की है.

सभी का साथ,सभी का विकास

बैंक के महाप्रबंधक राजेश देशमुख के मुताबिक बैंक के हजारों ग्राहकों का विश्वास जीतने के लिए अध्यक्ष के साथ पूरा संचालक मंडल प्रयासरत रहता है. सहकारिता क्षेत्र की आदर्श बैंक के रूप में जहां बैंक ने स्थान बनाया है ,वहीं बैंक के अधिकारी,कर्मचारी भी ग्राहकों की सदैव तत्पर सेवा के लिए प्रयासरत रहते हैं. उनके मुताबिक टीम वर्क के कारण बैंक अपने ग्राहकों को बेहतरीन सेवाएं देने का जहां प्रयास करती है वहीं रिजर्व बैंक तथा सहकार विभाग द्वारा दिए गए मापदंडों का भी कड़ाई से पालन करती है. बैंक के संचालक मंडल की दूरदृष्टि के साथ ही सभी अधिकारियों और कर्मचारियों के समर्पित प्रयासों के कारण ही बैंक लगातार कामयाबी हासिल कर रही है. उनके मुताबिक भविष्य में अपने ग्राहकों को और अधिक बेहतरीन सेवाएं देने का प्रयास बैंक द्वारा किया जाएगा. बैंक को हार्दिक शुभकामनाएं.

धर्मप्रेमी महिला थीं श्रीमती इंद्रावतीदेवी गयाप्रसाद दुबे

संघर्षों से जूझने वाली महिला थीं चाचीजी,परिवार की थी मार्गदर्शक

प्रतापगढ़ जिले के तहसील पट्टी के अंतर्गत गांव धौरहरा निवासी श्रीमती इंद्रावतीदेवी गयाप्रसाद दुबे बचपन से ही धार्मिकता से ओतप्रोत महिला थी. उनका दो साल पहले स्वर्गवास हो गया. संयुक्त परिवार में रहने के कारण चाचाजी के देहांत के बाद परिवार ने उन्हें संभाला. वे सदैव अपने काम में व्यस्त रहती थी. जीवन के अंतिम समय तक भी स्वयं के सभी काम स्वयं ही करती थीं . धौरहरा निवासी हमारे दुबे परिवार की शान जहां गयाप्रसाद पारसनाथ दुबे थे, वहीं जीवन में उनकी अर्धांगिनी चाचीजी ने भी परिवार को जोड़े रखने का काम किया. उनका बीमारी के चलते 7 जून 2023 को देहांत हो गया. उन्हें हमसे बिछड़े भले ही दो साल हो गए, लेकिन उनकी यादें परिवार को अक्सर आती हैं.

चाचीजी की इच्छा और आकांक्षा बहुत कम थी. सादगी के साथ ही वे जहां धार्मिकता से ओतप्रोत थीं, वहीं दूसरी ओर आज उच्च शिक्षित दुबे परिवार में कई हीरे निकलने के बाद भी आज भी यह परिवार जमीन पर है. परिवार में कोई संपादक है तो कोई मैनेजर जैसे उच्च पद पर है,

कोई गांव में प्रतिष्ठित हैं. दुबे परिवार ने जिस तरह की सामाजिक ऊंचाई हासिल की है, वे जहां भी हैं, अपना नाम रोशन कर रहे हैं. आज अगर दुबे परिवार के सभी युवक सही रास्ते पर हैं और संस्कारित हैं, समाज और गांव से लेकर शहर में इज्जत कमा रहे हैं तो इसमें बड़े चाचा गयाप्रसादजी दुबे का महत्वपूर्ण योगदान है. अपार प्रेम के साथ ही अनुशासन प्रियता का बड़ा महत्व है. चाची पिछले काफी दिनों से बीमार थी. परिवार ने उनकी जीभर कर सेवा की. जितना संभव हो सका, उपचार भी करवाया. लेकिन उम्र का तकाजा रहने के कारण 7 जून को उन्हों ने अंतिम सांसें ली. उनकी सभी इच्छाओं के मुताबिक उनका अंतिम संस्कार परिवार द्वारा किया गया. उनकी बेटी सुनीता के साथ ही सभी भाईयों तथा भतीजों ने चाची की सेवा के साथ ही अंतिम समय तक उनकी सेवा के साथ ही उनका हर तरह से ध्यान रखा.सदैव प्रसन्नचित रहने वाली श्रीमती इंद्रावतीदेवी दुबे की दिव्य आत्मा को प्रभु अपने चरणों में स्थान दें, उनकी तीसरी पुण्यतिथि पर यही कामना. भगवान उनकी दिव्य आत्मा को शांति प्रदान करें. इसके साथ ही आपके विचारों पर हम सदैव चलते रहेंगे, इसी अपेक्षा के साथ तेरहवीं पर समस्त दुबे परिवार की ओर से विनम्र आदरांजलि.

राजेश कुमार दुबे
एवं समस्त दुबे परिवार,
गांव धौरहरा, पट्टी, जि. प्रतापगढ़

सेवा,समर्पित अधिकारी हैं बैंक ऑफ इंडिया के प्रबंधक रणजीत ठाकरे

ग्राहकों की हर समस्या का करते हैं समाधान,स्टॉफ में सभी के चहेते,ग्राहक भी खुश

विदर्भ स्वाभिमान, 11 जून

अमरावती- कहते हैं कि सेवा के दौरान बहुत कम अधिकारी ऐसे भाग्यशाली होते हैं, जिन्हें लोगों का प्यार मिलता है. लेकिन बैंक ऑफ इंडिया देवरणकरनगर शाखा बडनेरा रोड के वरिष्ठ प्रबंधक रणजीत अरविंद ठाकरे ऐसे ही आदर्श अधिकारी हैं. काम के प्रति समर्पण जहां उनमें रहता है, वहीं बैंक के हर ग्राहक का समाधान करने की दिशा में उनकी सदैव कोशिश होती है. उनके इन्हीं प्रयासों के चलते बैंक के ग्राहकों में जहां उन्हें लेकर अपार हर्ष है, वहींग्राहकों के हितों के साथ ही बैंक के सुरक्षा रक्षक से लेकर अपने सहयोगियों के साथ उनका विनम्र स्वभाव, सदैव मार्गदर्शन करने की तत्परता ने सभी के दिल में उनका स्थान बनाया है.

विदर्भ स्वाभिमान द्वारा औचक निरीक्षण के दौरान यह पाया गया कि बैंक के किसी बुजुर्ग ग्राहक की मदद को जहां वे तत्पर रहते हैं, वहीं एटीएम संबंधी किसी समस्या का समाधान करने के लिए स्वयं अपनी कुर्सी से उठकर एटीएम मशीन तक जाते हैं. बैंक के सुरक्षा रक्षक दीपक आगरकर बताते हैं कि बैंक प्रबंधक जैसे पद पर रहने के बाद भी सभी को अपार सम्मान देने के साथ ही गलती होने पर समझाने की उनकी अदा सभी को प्रभावित करते हैं. विदर्भ स्वाभिमान से बातचीत में वे कहते हैं कि उन पर जो जिम्मेदारी प्रबंधन ने सौंपी है, वरिष्ठों के मार्गदर्शन में उसे पूरी तरह से समर्पित होकर करने का प्रयास करते हैं.

बैंक के ग्राहकों को अनमोल बताते हुए वे कहते हैं कि ग्राहकों को बेहतरीन सुविधाएं देने के लिए ही उनकी नियुक्ति की गई है, ऐसे में सभी ग्राहकों की मदद के साथ ही मार्गदर्शन करना उनका फर्ज है. वे कहते हैं कि हर व्यक्ति अगर अपने काम को समर्पित ढंग से करने का प्रयास करे तो निश्चित तौर पर कई समस्याओं का समाधान तो वैसे ही हो जाता है. पिछले कुछ महीनों पूर्व ही उन्हों ने प्रबंधक की जिम्मेदारी संभाली लेकिन ग्राहकों के साथ ही अपने सहयोगियों में भी अपार सम्मान उन्हें मिला है. ग्राहकों के मुताबिक बेहतरीन तथा कर्मठ अधिकारी के रूप में अल्प समय में उन्हों ने अपना स्थान बनाया है. उन्हें विदर्भ स्वाभिमान परिवार की उत्तरोत्तर प्रगति की शुभकामनाएं.

मजबूत,टिकाऊ, उच्चगुणवत्तायुक्त नवीन मकान विकायचा आहे.
गुढीपाडवा आणि चैत्र नवरात्रिच्या हार्दिक शुभेच्छा. 2 बीएचके किचन ट्राल्या, पीओपी कलरिंग सोबतचच पंखे गिझर सर्व तयारी.इच्छुकांना स्वतः भेंट देऊन खात्री करावी.
शांतिनिकेतन स्कूल रोड,पुष्पक कॉलनी मेन रोड पूर्व मुख्य
1350 फुट बांधकाम
संपर्क मोबाइल नंबर 9881388450

विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए

महाराष्ट्र के साथ ही उत्तर प्रदेश में तेजी से लोकप्रिय हो रहे राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक विदर्भ स्वाभिमान के लिए विज्ञापन प्रतिनिधि की आवश्यकता है.
मेहनती ही संपर्क करें.

- संपर्क -
विदर्भ स्वाभिमान कार्यालय
छाया कॉलोनी,अकोली रोड, अमरावती.
मो. 9423426199, 8855019189

सौ. सावित्री गंगाधर राणा को आदर्श मातोश्री पुरस्कार

14 जून को अमरावती के दिग्गज नेताओ के उपस्थिती में सम्मान

अमरावती- बडनेरा के लोकप्रिय विधायक रवि राणा की मातोश्री सौ. सावित्री गंगाधर राणा को आदर्श मातोश्री पुरस्कार घोषित किया गया है. दैनिक मतदार राज के संपादक विजय गायकवाड तथा डॉ. मनीष गवई के जन्मदिन के उपलक्ष्य में 14 जून को जोशी हॉल में आयोजित समारोह में मातोश्री को यह पुरस्कार मान्यवरों की उपस्थिती में प्रदान कर सम्मानित किया जाएगा.

माँ शब्द बहुत ही छोटा है, लेकिन इसकी गहराई को कोई नहीं माप सकता.माँ को कुछ शब्दों में व्यक्त करना संभव नहीं है.हर व्यक्ति के लिए माँ की अपनी एक विशेष परिभाषा होती है. माँ को हम भगवान के रूप में भी देखते हैं, या कहें कि वह भगवान का ही एक रूप है.माँ हर परेशानी को चुटकियों में दूर कर देने वाली एक जादूगर होती है.माँ हमारी पहली गुरु होती है.वह अपने बच्चों को जीवन के हर संघर्ष से बचाने का हरसंभव प्रयास करती है और खुद हर मुश्किल को सहती है.माँ की जगह इस संसार में कोई नहीं ले सकता. मातृदेवो भव ! पितृदेवो भव ! यही हमारी संस्कृति है। माँ पवित्रता का घर है ! ममता का घर !! भगवान का निवास। मंगल, उत्तम, भावुक भावनाओं का स्रोत। माँ को माँ कहने से बड़ी कोई पुकार नहीं है। अगर कोई भगवान के प्यार का विचार लाता है, तो वह माँ है. माता-पिता की सेवा करना मोक्ष प्राप्त करना है. 'न मातुः परम दैवतः' ! माँ के समान कोई दूसरा देवता नहीं है. एक माँ जो अपने बच्चे को आकार देती है.एक सुसंस्कृत, सुशिक्षित परिवार बनाना बहुत मुश्किल होता है, और यही काम एक माँ करती है. वर्तमान में रहकर अपने बच्चे के भविष्य की कल्पना करने की दूरदर्शिता केवल एक माँ के पास होती है.माँ का स्थान ईश्वर के बाद दूसरे स्थान पर आता है.एक माँ अपने बच्चे के व्यक्तित्व को निखारने और उसे समृद्ध बनाने में सबसे बड़ी भूमिका निभाती है.

इन सब में एक आदर्श माँ के तौर पर लिया जाता हैं वह नाम हैं बडनेरा मतदार संघ के जनप्रिय विधायक रवि राणा ओर युवा स्वाभिमान के मार्गदर्शक सुनिल राणा की मातोश्री 'सावित्रीदेवी गंगाधरजी राणा' जिन्होने अपने दोनों बेटो को जों बालसंस्कार दिये उसका आदर्श सुसंस्कार ही हैं की आज विधायक रवि राणा हर घर की 'माताओ का लाडला' हर घर के बहनो का 'प्रिय भाऊ' कहलाते हैं. जिस घरनें गरिबी सें लेकर संघर्ष किया आज वही 'गंगासावित्री' निवास्थान लाखो गरीब परिवार का आशास्थान बना हुआ हैं इस में विधायक रवि राणा का गरीब शोषित निर्भल भाई बहनो के प्रती रहनेंवाला स्नेह करूणा का अतूट ऋणानुबंध हैं जिससे अपनी माँ 'सावित्रीदेवी गंगाधरजी राणा' के संस्कार का बहुत बडा योगदान हैं.इसे देखते हुए सांध्य दै.मतदार राज के सहयोग सें तथा राष्ट्रीय युवा पुरस्कार प्राप्त डॉ. मनिष गवई एवंम सांध्य दै. मतदार राज के मख्यसंपादक विजय गायकवाड के जन्मदिन अभिष्ठचिंतन समारोह का आयोजन 14 जून 2025 को शाम 08:00 बजे जोशी हॉल, राजकमल चौक, अमरावती में किया गया इस कार्यक्रम में अमरावती जिले के दिग्गज नेतागण ओर प्रशासकीय अधिकारी प्रमुखतासें उपस्थितीत रहणेवाले हैं इस कार्यक्रम में उचित सामाजिक आदर्शवंत व्यक्तीमत्व का विभिन्न परस्कारोसें सन्मानित किया जायेगा ऐसे में बडनेरा विधानसभा मतदार संघ के जनपप्रिय विधायक रवि राणा की मातोश्री 'सावित्रीदेवी गंगाधरजी राणा' का 'आदर्श मातोश्री पुरस्कार' सें मान्यवरो के हातो स्मृतिचिन्ह, शाल, श्रीफळ, पुष्पगुच्छ देकर सन्मानित किया जायेगा ऐसी जानकारी आयोजन समिती की ओर सें दी गयी हैं.

बहुगुणी व्यक्तित्व,मानवसेवी हैं अविनाश सोनटक्के

हैप्पी बर्थडे पर विशेष, व्यवसायिक बुलंदी के साथ मानवता की सेवा में अग्रणी रहते हैं

अमरावती- मेडिकल व्यवसायी के साथ ही सामाजिक, धार्मिक और सेवाभावी कामों में सदैव अग्रणी रहने वाले व्यक्ति के रूप में अविनाश सोनटक्केबहुगुणी व्यक्तित्व हैं. व्यवसाय में कामयाबी के साथ ही आदर्श पति, पुत्र के साथ ही सभी रिश्तों को निभाने वाले व्यक्ति हैं. उनके मुताबिक राष्ट्रधर्म और मानव धर्म पर जिस दिन हर इंसान चलेगा, दुनिया स्वर्ग बन जाएगी. बोलने में कम करने में वे अधिक विश्वास रखते हैं. प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को प्रेरणादायी व्यक्ति के साथ ही भारत के महानायक मानते हैं. साथ ही देश की चहुंतरफा प्रगति के लिए उनकी सराहना करते हैं.

अर्चना मेडिकल के साथ ही कृष्णा फार्मासी के संचालक, यारों के दिलदार यार,यथासंभव मदद करने के लिए सदैव तत्पर रहने वाले अविनाश सोनटक्के जितने बेहतरीन युवा व्यवसायी हैं, उतने ही बेहतरीन मित्र और सामाजिक कामों में अग्रणी व्यक्तित्व हैं. राष्ट्रीयता की भावना से वे ओतप्रोत हैं, वहीं दूसरी ओर उनका मानना रहता है कि भारत की सबसे बड़ी ताकत उसकी युवा फौज है. अगर इसका सही उपयोग हो तो भारत को अमेरिका को पछाडने में भी समय नहीं लगेगा.

बचपन से मेधावी छात्र के रूप में जहां सुख्यात रहे, वहीं दूसरी ओर उन्होंने स्वयं के अथक प्रयासों से आज कामयाबी की बुलंदी हासिल की है. इसके लिए माता-पिता के आशिर्वाद को महत्व देते हैं. केमिस्ट और ड्रगिस्ट के साथ ही भाजपा के वरिष्ठ पदाधिकारी के रूप में जहां सेवारत हैं, वहीं धार्मिक कामों में भी सदैव अग्रणी रहते हैं. उनका कहना है कि देश से बड़ा कुछ नहीं होता है. इसलिए हर व्यक्ति को जितना संभव हो, देश के विकास में योगदान देने का प्रयास करना चाहिए.

शहर के प्रतिष्ठित नागरिक, सेवाभावी कामों में अग्रणी व्यक्ति के रूप में उनकी पहचान है. उनका 19 जून को जन्मदिन है. जीवन में सदैव अच्छी सोच के साथ काम करना उनकी जहां खूबी है, वहीं दूसरी ओर किसी भी अच्छे काम के लिए सदैव तत्पर रहते हैं. उनके इसी स्वभाव के कारण हजारों मित्र परिवार उन्होंने बनाया है. भाजपा के राष्ट्रीयता और राष्ट्रप्रेमी विचारों से ओतप्रोत रहने वाले अविनाश सोनटक्के के मुताबिक आजयह सबसे अधिक जरूरी है. व्यवसाय के साथ ही सामाजिक उपक्रम लेने में भी वे आगे रहते हैं. यही कारण है कि गरीबों, जरूरतमंदों की सेवा के साथ ही सदैव सामाजिक कामों में जहां व्यस्त रहते हैं, वहीं परिवार में आदर्श पिता, पति के साथ ही सभी रिश्तों में समर्पित व्यक्ति के रूप में पहचाने जाते हैं. मानवता की सेवा के साथ ही आदर्श संस्कारों को जीवन में अत्याधिक महत्व देते हैं. वे माता पिता को अत्याधिक महत्व देते हैं. माता-पिता की सेवा करनेवाले को किसी तीर्थ या धाम में जाने की जरुरत नहीं रहती है.माता-पिता से कभी भी कृतघ्न नहीं होना चाहिए. उनके मुताबिक हर व्यक्ति की सामाजिक जिम्मेदारी होती है, उसे भी यथासंभव योगदान देने का प्रयास करना चाहिए.ख़रकाडीपुरा क्षे त्रमें उज्जैन के सुख्यात शिव गुरूजी की शिव महापुराण कथा के आयोजन में भी जबर्दस्त योगदान उनका रहने की बात स्वयं गुरूजी ने भी कही. जन्मदिन पर विदर्भ स्वाभिमान परिवार की करोड़ों हार्दिक शुभकामनाएं.वे स्वस्थ रहें, मस्त रहें, प्रभु चरणों में यही कामना, जन्मदिन की उन्हें करोड़ों मंगलमय हार्दिक शुभकामनाएं. आप स्वस्थ रहें, मस्त रहें, यही कामना.

विदर्भ स्वाभिमान डेस्क

हजारों ने दी डॉ. सुभाष रत्नपारखी को शुभकामनाएं

सभी का प्रेम ही देता है सदैव अच्छा करने की प्रेरणा,यही बड़ी कमाई

अमरावती- तमाम सम्पन्नता के बाद भी यारों के दिलदार यार के रूप में सुख्यात समाजसेवी डॉ. सुभाष रत्नपारखी को उनके जन्मदिन 10 जून को सुबह से लेकर रात तक असंख्य लोगों ने शुभकामनाएं दी. शोशल मीडिया, फेसबुक के साथ कई लोगों ने अस्पताल पहुंचकर उन्हें जहां शुभकामनाएं दी, वहीं उनके दीर्घायु की कामना की. लोगों के इसी प्रेम को अपनी सबसे बड़ी दौलत बताते हुए डॉ. रत्नपारखी ने सभी के प्रति आभार जताया और भविष्य में भी सदैव यहीप्रेम बरकरार रहने और इसमें वृद्धि होने तथा अपनी ओर से भी सेवाभाव के साथ जितना संभव हो सेवा करने का विश्वास दिलाया.

ज़ीवन में माता-पिता का आशिर्वाद, मित्रों का साथ सबसे यादगार रहा है. जन्मदिन पर सभी की शुभकामनाओं के लिए दिल से आभारी रहूंगा. यही मेरी ताकत है. सभी का प्यार कायम रहने का पूरा विश्वास है.

डॉ. सुभाष रत्नपारखी

डॉ. रत्नपारखी ने भी लोगों के इसी प्रेम को अपनी सबसे बड़ी ताकत बताते हुए सभी के प्रति दिल से कृतज्ञता जताई. साथ ही इसी तरह का प्रेम औरविश्वास सदैव बरकरार रहने का भरोसा जतदाया. उनके मुताबिक जीवन में म माता-पिता के आशिर्वाद, पत्नी तथा परिवार और बच्चों के साथ के कारण जीवन में खुशियां ही खुशियां हैं. लोगों के प्रेम को अपना प्रेरणा बताते हुए कहा कि समाजसेवा की सीख उन्हें डॉ. गोविंद कासट, पूर्व विधायक जगदीश गुप्ता सहित अन्य मान्यवरों के कारण मिली है. अपनी ओर से जितना संभव हो सके, प्रयास करते हैं. शहर ही नहीं तो सेवाभावी कामों के लिए पूरे जिले में सुख्यात डॉ. सुभाष रत्नपारखी बहुगुणी व्यक्ती हैं. उनमें सम्पन्नता में जितनी विनम्रता है, वहीं सेवाभाव के कारण उन्हों ने लाखों मित्र परिवार तैयार किए हैं. वे कहते हैं जीवन में किया गया नेक काम कभी भी बेकार नहीं जाता है.

खुशियों के हर प्रकार के रंग

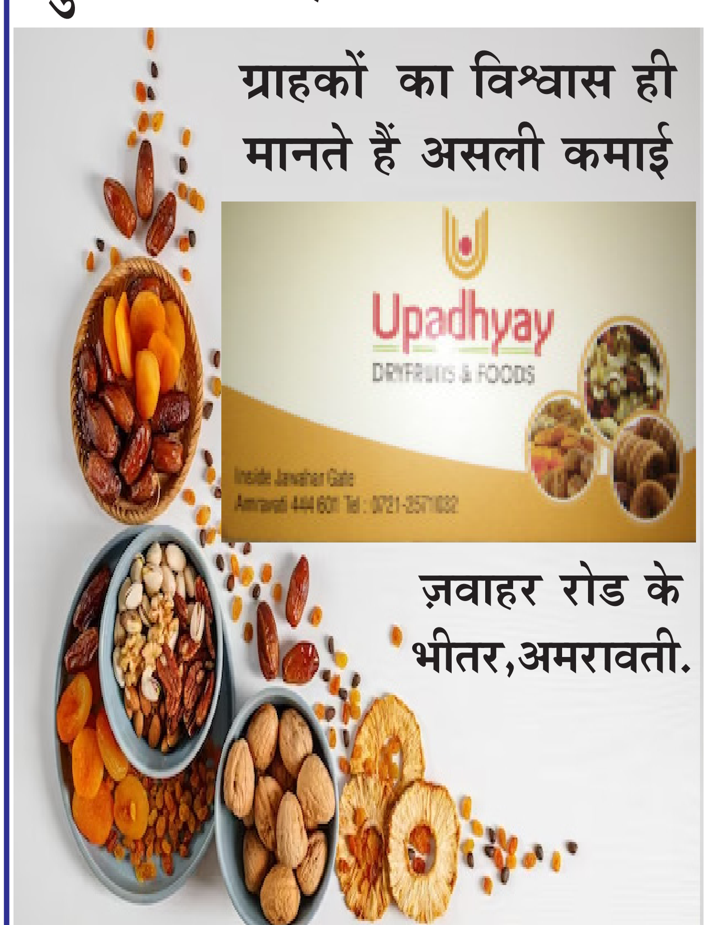

टोम्पे महाविद्यालय में पौधारोपण किया गया

चांदूर बाजार- राष्ट्रीय सेवा योजना की ओर से गो. सी. टोम्पे कला, वाणिज्य एवं विज्ञान महाविद्यालय, चांदूर बाजार में वृक्षारोपण किया गया. विश्व पर्यावरण दिवस पर मुख्यमंत्री तथा उच्च शिक्षा विभाग ने 10 करोड़ वृक्ष लगाने का संकल्प लिया था.उच्च शिक्षा विभाग ने संबंधित विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों के राष्ट्रीय सेवा योजना स्वयंसेवकों को मुख्यमंत्री के 10 करोड़ वृक्ष लगाने के संकल्प के प्रतिफल में बड़े पैमाने पर पौधारोपण करने का आग्रह किया है. महाविद्यालय में शिक्षा के साथ ही छात्रों को सर्वां गीण विकास तथा पर्यावरण संतुलन को भी अत्याधिक महत्व देते हुए सदैव विभिन्न उपक्रम लिया जाता है.

स्थानीय महाविद्यालय में संस्था के सचिव डॉ. विजय टोम्पे, महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. राजेंद्र रामटेके, उपप्राचार्य डॉ. नंदकिशोर गव्हाले द्वारा महाविद्यालय परिसर में पौधारोपण किया गया.

इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. प्रवीण परिमल, महिला सहकार्यक्रमाधिकारी डॉ. निधी दीक्षित, डॉ. लालबा दुमटकर, डॉ. प्रफुल चौधरी, डॉ. उमेश कनेरकर, डॉ. प्रवीण इंगले, डॉ. संजय कोठारी, डॉ.शशिकांत दुपारे, डॉ. युगंधरा गुल्हाने, डॉ. प्रिया देवले, शिक्षकेतर कर्मचारी सुधीर मकासरे, संतोष पवार एवं विद्यार्थी उपस्थित थे.

वट सावित्री पर महिलाओं ने मांगा सात जन्मों का साथ

विदर्भ स्वाभिमान, 11 जून

अमरावती- शहर के साथ ही जिले में वटपूर्णिमा भक्तिभाव तथा श्रद्धापूर्वक मनाया गया. शहर के वल्लभनगर, छाया कॉलोनी के साथ ही धारणी सहित सभी तहसीलों में भी महिलाओं ने परम्परागत तरीके से बरगद के पेड़ की परिक्रमा करते हुए पति के दीर्घायु,परिवार की खुशी और सात जन्मों का साथ मांगा. इस उपलक्ष्य में सोलह श्रृंगार कर महिलाओं ने बरगद के पेड़ की विधिवत पूजा-अर्चना भी की. ज्येष्ठ पूर्णिमा व अंतिम बड़े मंगलवार के पावन अवसर पर धारणी तहसील में धार्मिक आयोजनों की श्रृंखला देखने को मिली. ज्येष्ठ मास का यह अंतिम बड़ा मंगलवार होने के कारण तहसील के समस्त हनुमान मंदिरों में सुबह से ही भक्तों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी. मान्यता है कि ज्येष्ठ मास के प्रत्येक मंगलवार को बड़ा मंगलवार कहा जाता है और इस मास में कुल पाँच बड़े मंगलवार आते हैं. भक्तों का विश्वास है कि इस दिन की गई हनुमान पूजा से समस्त मनोकामनाएँ पूर्ण होती हैं.

धारणी तहसील के धूलघाट रोड स्थित हनुमान मंदिर में बीजेएम महिला मंडल द्वारा सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया, जिसमें गाँव की अनेक श्रद्धालु महिलाएँ शामिल हुईं. सुबह से ही भक्तजन हनुमानजी के दर्शन करने व अपनी अर्जी लगाने मंदिर पहुँचने लगे थे. विशेष पूजा में हनुमानजी को चोला चढ़ाया गया और भक्तों ने आस्थापूर्वक प्रार्थना की. मान्यता है कि अंतिम बड़े मंगलवार को हनुमानजी की सेवा विशेष फलदायी होती है.

टेंबली में महाप्रसाद का आयोजन

टेंबली ग्राम के साधु बाबा मंदिर में अनुज पांडे मित्र मंडल द्वारा हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी महाप्रसाद का आयोजन किया गया. हवन , हनुमान चालीसा और सुन्दरकाण्ड पाठ के बाद राहगीरों व श्रद्धालुओं के लिए महाप्रसाद वितरण किया गया. सुबह से ही मंदिर प्रांगण में भक्तिभाव व सामूहिक सहभागिता की झलक दिखाई दी. हर वर्ष बड़े उत्साह से टेबली ग्राम के भक्त बड़ा मंगलवार मनाते है ओर आयोजन रखते है.

महिलाओं ने रखा वट सावित्री व्रत

धारणी तहसील की महिलाओं ने ज्येष्ठ पूर्णिमा के दिन परंपरागत वट सावित्री व्रत रखकर अपने पतियों की दीर्घायु और परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की. सुबह से ही महिलाएं मंदिरों और वट वृक्ष के नीचे पूजा-अर्चना करती नजर आईं.धार्मिक मान्यता है कि इस दिन वट वृक्ष की पूजा करने से अखंड सौभाग्य की प्राप्ति होती है.जिले में हजारों की संख्या में महिलाओं ने वटसावित्री का व्रत मनाया.

पीडीएमसी में एमबीबीएस पर व्याख्यान में मार्गदर्शन

अमरावती-आरोग्य भिषज परियोजना के अंतर्गत केवाईएस कर्मयोगी संस्था, सोलापुर के डॉ. रोहित तापड़िया ने सोमवार 9 जून डॉ. पंजाबराव उपाख्य भाऊसाहेब देशमुख मेमोरियल मेडिकल कॉलेज, अमरावती के विद्यार्थियों को 'एमबीबीएस और एमबीबीएस से आगे' विषय पर व्याख्यान दिया. इस अवसर पर कॉलेज के डीन डॉ. अनिल देशमुख उपस्थित थे.

डॉ. रोहित तापड़िया ने अपने व्याख्यान के माध्यम से विद्यार्थियों को आवश्यक, बहुमूल्य और बहुत ही प्रेरक जानकारी प्रदान की. कार्यक्रम में बड़ी संख्या में विद्यार्थी, शिक्षक और शिक्षकेतर कर्मचारी उपस्थित थे. कार्यक्रम की शुरुआत श्री शिवाजी शिक्षण संस्था के संस्थापक, शिक्षण महर्षि डॉ. पंजाबराव उपाख्य भाऊसाहेब देशमुख की प्रतिमा पूजन तथा माल्यार्पण से की. कार्यक्रम का संचालन प्रथम वर्ष के छात्र सार्थक गंडले ने किया, जबकि आभार प्रशासनिक अधिकारी डॉ. स्वप्निल मोहोड़ ने माना. इस मौके पर बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं तथा मान्यवर उपस्थित थे. छात्रों ने भी मार्गदर्शन पर संतोष जताया और धन्यवाद दिया.

गुरूवार 12 से 18 जून 2025

मेष- यह सप्ताह खुशियों वाला रहेगा और इस दौरान किया गया कोई भी काम अच्छा परिणाम देगा. माता-पिता का आशिर्वाद असंभव को भी संभव करा सकता है. विवाद से बचना ही श्रेयस्कर होगा.

वृषभ-शांति के साथ स्थितियों को हल करने का प्रयास आपके लिए हितकारी रह सकता है. वर्ना बड़ा नुकसान होने की आशंका है. संभलकर बोलें.वाहन धीरे से चलाएं.थोड़ी मेहनत भी लाभ दिला सकती है.

मिथुन-अपनों से प्रेम ही आपकी प्रगति का माध्यम बन सकता है. यह स्थिति कैरियर के लिए नुकसानदेह हो सकती है. छात्रों को स्पर्धा परीक्षा के लिए की गई मेहनत का फायदा मिलने वाला है.

कर्क-आय देखकर व्यय करने से ही कई समस्याओं का समाधान हो सकता है. आपसी सहमति नहीं बनने से कार्यस्थल पर विरोधाभासी स्थिति बन सकती है. धार्मिक यात्रा हो सकती है. समझदारी से समस्या हल होगी. किसी से नाहक विवाद से बचें.

सिंह-सप्ताह खुशियों वाला रहेगा. नाहक के विवाद से बचने का प्रयास करना श्रेयस्कर होगा. लीक से हटकर चलना फिलहाल जोखिमपूर्ण है.परीक्षा में सफलता के योग हैं.

कन्या-विरोधी साजिश में फंसाने का प्रयास कर सकते हैं. ऐसे में सतर्कता बरतना जरूरी है. संयम से काम लेना उचित रहेगा. क्रोध से बचना आपके लिए लाभदायी होगा.मेहनत ही सफलता का सूत्र हो सकता है. इस पर ध्यान दें.

तुला-नई योजनाओं, स्पर्धा परीक्षा तथा नए व्यवसाय में कामयाबी मिल सकती है. भावी योजनाओं के लिए पूरी ईमानदारी से काम करेंगे.

वृश्चिक-दूसरों को प्रभावित करने के लिए स्वभाव में बदलाव का प्रयास करेंगे. निश्चित कामों में सफलता मिलने की संभावना है. प्रयासों की निरंतरता जरूरी.

धनु-गुस्से से बना बनाया काम बिगड़ सकता है. विनयशीलता और प्रेम से काम लेने का प्रयास करें. वाहनादि धीरे से चलाएं.

मकर-माता-पिता की सेवा का बेहतरीन लाभ हो सकता है. उन्हें प्रसन्न रखने और उनकी सलाह माननी लाभदायी हो सकती है.

कुंभ-आपकी इच्छाएं पूरी होने वाली हैं. वाहन चलाते समय सतर्कता और सावधानी बरतना श्रेयस्कर रहेगा. घर में खुशी का माहौल रहेगा.

मीन-दौड़धूप कर रास्ते में आने वाली मुश्किलें दूर हो सकती हैं. व्यापारिक विस्तार की संभावना बढ़ रही है.इस समय छोटी कोशिश सफलता देगी.

सुंदर घर बेचना है

अकोली रोड के पुरूषोत्तम नगर में बेहतरीन लोकेशन स्थित स्वतंत्र, सामने हनुमान, शिव मंदिर तथा मनपा बगीचा के सामने स्थित घर बेचना है. निर्माण 550 फुट. नीचे दो रूम, किचन तथा सामने जगह. ऊपर एक रूम और स्वतंत्र टायलेट व शौचालय. बेहतरीन लोकेशन.लेने के इच्छुक ही सीधे संपर्क करें. कुल प्लॉट 750 स्केअर फुट, साईज 40 बाय 25

9423426199
8855019189

आदर्श भाई हैं प्रभु श्रीरामचंद्र

क्रांती कॉलोनी में शुरू है श्रीराम कथा,श्रीरामलीला

अमरावती- भाई के आदर्श नायक और उदाहरण प्रभु श्रीराम तथा भरत हैं. आज तक भाईयों के बीच इस तरह का प्रेम नहीं देखा गया. आज जहां धन-सम्पत्ति के लिए भाई-भाई का दुश्मन हो रहा है, वहीं भरत जैसा त्यागी भाई मिलना भी दुर्लभ बात है, जिन्होंने भाई के प्रेम में सिंहासन तक ठुकरा दिया है. यह सनातन धर्म की महानता है. पिता के वचन को निभाने के लिए बिना किसी गलती के कोई पुत्र 14 साल का वनवास ले ले, इस तरह का अभूतपूर्व त्याग केवल भारत में ही देखा जाता है. श्रीरामचरितमानस एक किताब नहीं बल्कि जीवन दर्शन है. माताओं को अपने बच्चों को बचपन से ही प्रभु श्रीराम तथा उनके भाईयों के बीच का प्रेम दिखाना चाहिए और बताना चाहिए, अगर माताएं यह करने में सफल हो जाएं तो भारत को महाशक्ति बनने से दुनिया की कोई ताकत नहीं रोक सकती है. इस आशय का उपदेशपूर्ण प्रतिपादन सुख्यात कथाकार पं.श्यामदास महाराज ने किया. क्रांति कॉलोनी में सोमवार से शुरू श्रीराम कथा तथा श्रीराम लीला के मंचन के तीसरे दिन बुधवार को मार्गदर्शन कर रहे थे.

जाने-माने कथाकार पं.श्यामदास महाराज ने कहा कि बचपन के आदर्श संस्कारों से जीवन संवरता है. बालक उस कच्ची मिट्?टी की तरह होता है कि उसे कोई भी आकार दिया जा सकता है. ठीक इसी तरह प्रभ श्रीराम की कथा, उनका चरित्र, परिवार में भाईयों के प्रति प्रेम, माताओं का स्थान, पत्नी का महत्व, पति कैसा होना चाहिए, भाई का फर्ज सहित सभी रिश्तों में आदर्श स्थापित किया है. श्रीराम कथा के दौरान प्रभु के जन्म के साथ ही विभिन्न प्रसंगों को पं.श्यामदास महाराज ने प्रस्तुत कर सभी को भावविभोर कर दिया. प्रसंगों को साकार करने का कार्य प्रयागराज श्रीराम लीला मंडल के कलाकारों ने बेहतरीन तरीके से किया. क्रांति कॉलोनी के संतश्री गजानन महाराज मंदिर के सभागृह में शुरू श्रीराम कथा और रामलीला के कार्यक्रम में पहले दिन से ही भक्तों की भीड़ लगी. महिलाओं की संख्या इसमें अधिक है. कथा आयोजन के लिए जगह देने के लिए संतश्री गजानन महाराज मंदिर क्रांति कॉलोनी के सभी ट्रस्टियों की सराहना की जा रही है. कथा का लाभ क्षेत्रवासियों से सहपरिवार उठाने का आग्रह प्रयागराज श्रीरामलीला मंडल के पदाधिकारियों तथा सदस्यों ने किया है. रोज कथा सुनने तथा श्रीराम लीला देखने बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी आ रहे हैं और पुण्य कमा रहे.

योगासन को बनाएं जीवन का सदैव हिस्सा,सुखी रहेंगे

बाल संस्कार शिविर में योग गुरू गिरीधर देशमुख का प्रतिपादन

विदर्भ स्वाभिमान, 11 जून

अमरावती- जीवन में योग का अत्याधिक महत्व होता है. योगासन के माध्यम से बेहतरीन स्वास्थ्य के साथ ही मन को भी बेहतरीन किया जा सकता है. जीवन में योग को सदैव जीवन का माध्यम बनाने का आग्रह किया गया है. योग जीवन जीने की एक अद्भुत कला है. यह मनुष्य के लिए रोग-मुक्त और समाधि-युक्त जीवन की संकल्पना है. योग आत्म-चिकित्सा और आध्यात्मिक ज्ञान है. योग न केवल आत्मविश्वास बढ़ाने वाला प्रयोग है, बल्कि व्यक्तित्व विकास का माध्यम भी है. इस आशय का प्रतिपादन श्री गुरुदेव सेवा मंडल और जनता शिक्षण संस्था द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित व्यक्तित्व विकास और बाल संस्कार प्रशिक्षण शिविर में गिरीधर देशमुख ने कही. शिविरार्थियों को संबोधित करते हुए पतंजलि योग समिति के जिला प्रभारी गुरुवर्य गिरिधर देशमुख ने कही. शिविर को 5 जून से ही भारी समर्थन मिल रहा है.

शिविर व्यवस्थापन समिति मध्ये एम.ए.घावट,दशरथ येवले, ग्रामगीताचार्य दिवाकरराव फरकाडे,किरणराव खडतरकर,बाबाराव ठाकरे,बांबल,अनिल चौधरी,निलिमाताई कुबडे,सीमाताई होले,निलिमाताई खेरडे,सविताताई काले,गीतांजलिताई खडतरकर, डॉ. करुणा आंडे,पद्माताई मालोदे, शुभांगी तरार,दिनेश जाधव उपस्थित थे. ग्रामगीताचार्य बाबाराव ठाकरे व अनिल चौधरी ने संचालन व आभार प्रदर्शन करते समय कहा.बच्चों को माता-पिता की सेवा करने के साथ ही देश तथा मानवता की सेवा के माध्यम से आदर्श इंसान बनने की सीख भी बाल सुसंस्कार शिविर के दौरान दी गई. आयोजन की सभी ने सराहना की और इसे जरूरी बताया.

शेंदुरजनाघाट में आयोजित बाल सुसंस्कार शिविर को बच्चों ने भव्य प्रतिसाद दिया. शिवर में सैकड़ों बच्चों ने सहभाग लिया. इस दौरान गिरीधर देशमुख ने योगासन तथा प्राणायाम के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बच्चों का मार्गदर्शन किया. साथ ही जीवन में योगासन के महत्व से अवगत कराया. शिविर में कई मान्यवरों ने भी मार्गदर्शन किया. सभी के मुताबिक योगासन के माध्यम से जीवन को संवारा जा सकता है.

गुणवत्ता विश्वसनीयता तत्पर सेवा
शालेय, महाविद्यालयीन पाठ्य पुस्तक, सामान्य ज्ञान स्पर्धा की विभिन्न किताबे, रजिस्टर, नोटबुक्स, कम्पास सहित सभी प्रकार की फाइलें,बुक्स, स्टेशनरी का एकमात्र विश्वसनीय स्थान. रियायती कीमत तथा तत्पर सेवा ही हमारी विशेषता है.
--संपर्क--
प्रथमेश बुक व जनरल स्टोअर्स, रविनगर चौक, अमरावती.

सन् 1967 पासून
अमरावती शहरात वाजवी दरात सर्वात जास्त प्लाटस्चे सौदे करणारे एकमेव इस्टेट एजंट
संजय एजंसीज्
टाऊन हॉल समोर, नेहरू मैदान,अमरावती.फोन 2564125,2674048

दुग्धपूर्णा
कई दशकों की बेहतरीन स्वाद,गुणवत्ता बरकरार रखना आसान नहीं रहता है लेकिन इसे अमरावती के दुग्धपूर्णा ने बरकरार रखाक है...
तृष्णा तृप्तीच्या मायेचा अनुभव फक्त दुग्धपूर्णामध्ये
शितपेयाचा राजा
दुग्धपूर्णा
राजकमल चौक, अमरावती

श्री बालाजी कॅटरर्स
आमचे येथे लग्न, वाढदिवस, वास्तु व शुभ कार्यप्रसंगी स्वादिष्ट भोजनाचे ऑर्डर स्विकारल्या जाईल.
भट्टवाडी, गोपाल नगर, अमरावती.
द्वारका महाराज व्यास मो.८२०८०३६१६७
अर्जुन व्यास – मो. ९९७५२७७१९९